हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 23 जनवरी 2024

11 करुणा, दया, त्याग, शौर्य एवं पराक्रम की प्रतिमूर्ति हैं...

12 कलाकारों ने सेठ ताराचंद के सांग का किया मंचन

खबर संक्षेप

अवैध हथियार बेचने के मामले में एक और धरा

बाढ़ड़ा। पुलिस की टीम ने अवैध हथियार बेचने के मामले में एक और आरोपी को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। वहीं एक औपचारिक बालक को पुलिस अभिरक्षा में लेकर चरखी दादरी अदालत में पेश किया गया जिसे फरीदाबाद सुधारगृह भेज दिया गया है। बता दें कि बाढ़ड़ा थाना पुलिस ने बीते 16 जनवरी को ढिगावा टी प्वाइंट पर गांव मानकावास व सुरपुरा निवासी दो अवैध हथियार सप्लायर को पकड़ने में सफलता हासिल की थी। गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान दीप सिंह वासी पचौरी, मध्यप्रदेश के रूप में हुई है ।

बहल में सहायक कृत्रिम अंग वितरण कार्यक्रम कल

बहल। बहल की अनाज मंडी में 24 जनवरी को जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा एवं एलिम्को कंपनी के सहयोग से सहायक अंग उपकरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमे कृषिमंत्री जेपी दलाल मुख्यतिथि होंगे तथा उपायुक्त नरेश नरवाल कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

पिलानी में गोली मारकर हत्या, भतीजे पर आरोप

बाढ़ड़ा। गांव डांडमा निवासी व्यक्ति की राजस्थान के पिलानी में हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। हत्या के आरोप मृतक के सगे भतीजे पर ही हैं। हत्या का कारण आपसी विवाद बताया जा रहा है। गांव डांडमा निवासी करीब 40 वर्षीय रतन सिंह राजस्थान के पिलानी में परिवार सहित किराये के मकान में रहता था। बीती रात वह अपने भांजे सचिन से मिलने के लिए गया था, उसी दौरान वहां दो लोगों ने पहुंचकर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गए। मिली जानकारी के अनुसार हत्या के आरोप मृतक के सगे भतीजे पर हैं। मृतक की पत्नी ने बताया कि भतीजे के साथ उनका आपसी विवाद चल रहा था ।

भिवानी। जोहड़ीवाला प्राचीन हनुमान मंदिर में भगवान श्रीराम व हनुमानजी को 56 भोग का प्रसाद लगाते विधायक घनश्याम सर्राफ, महंत चरणदास महाराज व अन्य, श्रीराम के झंडों व गुब्बारों से सजा बाजार और श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में आतिशबाजी करते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जोहड़ीवाला प्राचीन हनुमान मंदिर में महायज्ञ कर 56 भोग का लगाया प्रसाद

जय-जय श्रीराम के गगनभेदी जयकारों से गूंजी छोटी काशी, आतिशबाजी कर श्रद्धालुओं ने मनाई खुशियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

छोटी काशी भिवानी मंदिरों का शहर हैं, जहां के लोग बहुत ही आस्थिक हैं और हर गली मोहल्ले में मंदिर ही मंदिर हैं। सोमवार को अयोध्या में श्रीरामलला मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर शहर में छोटे बड़े सभी मंदिर को रंग बिरगी लाइटां व गुब्बारों से सजाया गया। रामभक्तों ने मंदिरों में भजन कीर्तन व भंडारा लगाकर भगवान श्रीराम को भोज लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इसी कड़ी में जोहड़ीवाला प्राचीन हनुमान मंदिर में श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट द्वारा बालयोगी महंत चरणदास महाराज के सान्निध्य में प्रातः श्रीराम महायज्ञ का आयोजन किया तथा भगवान श्रीराम को 56 भोग का प्रसाद लगाया।

इसके बाद सभी ने अयोध्या में श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि विधायक घनश्यामदास सर्राफ ने शिरकत की तथा बतौर यजमान अमित गोयल व सुंदरपाल पहुंचे। इस दौरान रामभक्तों ने जय जय श्रीराम के गगनभेदी जयकारों का उदघोष किया तथा माहौल को पूरी तरह से छोटी कांशी को श्रीराम की भक्तिमय बना दिया। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि श्रीराम मंदिर निर्माण समस्त सनातन धर्म के लिए खुशियों एवं उल्लास का विषय है। श्रीरामलला की भव्य मंदिर को लेकर 500 वर्षो का संघर्ष साक्षी है, लंबे संघर्ष के बाद अवध में श्रीरामलला का भव्य मंदिर का निर्माण हुआ है, इससे ये पता चलता है कि देश में सनातन धर्म के प्रति लोगों की अटूट आस्था है।

महंत चरणदास महाराज ने कहा कि श्रीराम मंदिर बनने से देशभर के रामभक्तों में काफी खुशी है तथा वे प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साक्षी बनकर स्वयं को गौरवांवित महसूस कर रहे है। हमारे पूर्वजों ने श्रीराम मंदिर के सपना देखा था, आज उनकी पीढ़ियां भगवान श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को देख पाई। भगवान श्रीराम का जीवन त्याग, दया, विद्या, पराक्रम एवं धर्म का समागम है। इस अवसर पर ध्यानदास पुजारी, मातुनाथ महाराज, सुरेंद्र लोहिया, रमेश सैनी, विजय सिंहमार, पारस डालमिया, राहुल सिंहमार, कृष्ण सोनी, विनोद, धीरज सैनी, राजकुमार सैनी आदि मौजूद रहे।

भिवानी। सोमवार को एलईडी पर श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का लाइव प्रसारण देखते श्रद्धालु।

- विधायक सर्राफ ने कहा कि श्रीराम मंदिर निर्माण समस्त सनातन धर्म के लिए खुशियों एवं उल्लास का विषय

सजे मंदिर और बाजार

श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शहर के सभी मंदिर व बाजार रंग बिरंगी लाइटों, लड़ियों, श्रीराम के झंडों व रंग बिरंगे गुब्बारों से सजाए गए। दुकानदारों ने अपनी दुकानों व प्रतिष्ठानों को भी सुंदर रंग बिरंगी लाइटों से सजाया और दुकान पर खरीददारी करने आने वाले ग्राहकों को प्रसाद वितरण किया। शहर में अनेक स्थानों पर पूरी सब्जी, लड्डू, रोटी मटर पनीर की सब्जी, गुलाब जामुन, खीर, हलवा आदि की स्टॉल लगाकर लोगों को प्रसाद ग्रहण करवाया और भगवान श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की खुशी मनाई। रामभक्तों ने बाजार व गलियों में भंडारे लगाकर भोजन परोसा।

लाइव प्रसारण देखा

शहर में दुकानों व शोरूम पर हर कोई श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के लाइव प्रसारण को देखने के लिए एलईडी के समक्ष चिपका नजर आया। कार्यक्रम के लाइव प्रसारण को देखते हुए लोगों ने जय जय श्रीराम के जयकारे लगाए और भगवान श्रीराम के प्रति अपनी आस्था प्रकट कर खुशी का इजहार किया। अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में रामभक्तों ने आतिशबाजी कर खुशी का इजहार किया। रामभक्तों ने शहर में ध्वज यात्रा निकाली और चौक चौराहों व बाजारों में आतिशबाजी की। रामभक्तों ने कहा कि ये दिन दीपावली पर्व से कम नहीं हैं,क्योंकि 14 का वनवास काटकर भगवान श्रीराम घर लौटे थे और आज वर्षों बाद श्रीरामलला अपने नवगृह में विराजे हैं।

अज्ञात कारणों से आग लगने से बारात में व्यक्ति की गाड़ी जली

- धुंध के कारण समय पर नहीं पहुंच पाई फायर ब्रिगेड की गाड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढ़ड़ा

गांव श्यामकलां में साले की बारात में आए भिवानी जिले के बुशान निवासी व्यक्ति की नई थार गाड़ी जलकर कबाड़ हो गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची लेकिन धुंध काफी तेज होने के कारण गाड़ी देरी से पहुंची और तब तक गाड़ी पूरी तरह से जल चुकी थी। गाड़ी मालिक ने अभी तक पुलिस को कोई शिकायत नहीं दी है।

बीती रात बाढ़ड़ा उपमंडल के गांव श्यामकलां में भिवानी जिले के पहाड़ी से बारात पहुंची थी। अपने साले की बारात में शामिल होने के लिए बुशान निवासी विनोद भी अपनी थार गाड़ी लेकर पहुंचा था। इसी दौरान गाड़ी विवाह स्थल से थोड़ी दूरी पर खड़ी थी और विनोद अपने साथियों के साथ विवाह स्थल पर चले गए थे। इसी दौरान शॉर्ट सर्किट या किसी अज्ञात कारण से गाड़ी में आग लग गई और देखते ही देखते गाड़ी आग का गोला बन गई। गाड़ी से आग की लपटें उठती देख फायर ब्रिगेड को कॉल की गई लेकिन बीती रात धुंध काफी अधिक होने फायर ब्रिगेड की गाड़ी काफी देरी से पहुंची । फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही गाड़ी पूरी तरह से जल चुकी थी। इस बारे में विनोद से बात की तो बताया कि उसने एक महिने पहले ही नई गाड़ी खरीदी थी। वहीं गांव श्यामकलां के सरपंच कमांडो रमेश रांगी ने बताया कि वह आग लगने की घटना के बाद मौके पर पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि डीजे बज रहा था और लोग वहां डांस कर रहे थे इसके चलते शुरूआत में आग लगने की जानकारी नहीं मिली। बाद में आग अधिक फैलने पर इसकी जानकारी मिली लेकिन तब तक गाड़ी पूरी तरह से आग की चपेट में आ चुकी थी और आग पर काबू नहीं पाया जा सका।

शिविर में 25 लोगों ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

- बीर सिंह कोठारी ने बेटियों के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन करवाया

सोमवार को बीर सिंह कोठारी ने अपनी बेटियों के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान शिविर का आयोजन करवाया, जिसमें नागरिक हस्पताल भिवानी की टीम ने 25 यूनिट रक्त एकत्रित किया। इस आयोजन में सेठ मेघराज जिंदल राजकीय कॉलेज में कार्यरत डॉ. सुनीता जनावा भेरा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि बेटी के जन्मदिन पर इस तरह के आयोजन के लिए कोठारी परिवार प्रशंसा के पात्र है। इन्होंने सरकार के नारे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के नारे को सच मे चरितार्थ किया है। इस मौके पर भिवानी टीम में शामिल काउंसलर मुकेश कुमारी तथा डॉ. अनिल ने कैम्प की अगुवाई की ओर धर्मेन्द्र दुहन, कुलदीप सहारण भेरा की देखरेख में कैम्प का सफल आयोजन हुआ। इस दौरान सचिन नैन भेरा ने कहा कि रक्त केवल मनुष्य के शरीर मे ही बन सकता है इसका कोई और विकल्प नही है।

इन्होंने कमाया पुण्य

इस दौरान ज्योति ने एकमात्र महिला रक्तदाता के रूप में रक्तदान किया। इस मौके पर सोनू कोठारी, विजेंद्र सहारण, भूपेंद्र ग्रेवाल भेरा, सोमवीर पंघाल, रविन्द्र गोदारा, मनोज पंवार, प्रवीण, प्रदीप आदि ने रक्तदान किया।

मांगों को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा ट्रेड यूनियनों व खापों ने की पंचायत

- 26 को ट्रैक्टर व बाइक परेड का निर्णय लिया, 16 फरवरी को हड़ताल और बंद
- किसानों के लिए एमएसपी की गांरटी, और बिजली का निजीकरण रोकन की मांग उठाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

संयुक्त किसान मोर्चा, केंद्रीय ट्रेड यूनियनें व खापों की पंचायत रोज गार्डन में हुई। जिसमें किसान संगठनों, मजदूर संगठन सीटू , सांगवान, फोगाट, श्योराण खाप , सतगामा खाप , चिड़िया खाप, पंवार खाप ने बैठक हिस्सा लिया।

वक्ताओं ने कहा कि किसानों के लिए एमएसपी की गांरटी, बिजली का निजीकरण रोकने, किसान को कर्ज मुक्त करने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करवाने, महकमों में खाली पड़े पद भरने , पुरानी पेंशन बहाल करने , सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण की मांगों को लेकर 26 जनवरी को ट्रेक्टर परेड की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार कारपोरेट की मदद करने के लिए किसान मजदूरों की मांगों से ध्यान बांटने वास्ते धर्म के नाम पर वोट मांगना चाहते हैं और जनता की वास्तविक मांगों की अनदेखी करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि किसान मजदूर 26 जनवरी के बाद अपनी मांगों को लागू करवाने वास्ते 16 फरवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल तथा ग्रामीण बंद करेंगे। आज की बैठक में रणधीर कुंगड़, कामरेड ओमप्रकाश, नरेन्द्र झींझर, दलबीर सांगवान, सुरेन्द्र मोठसरा ,किसान नेता राजू मान, सतगामा से स्वामी कपूर सिंह, सांगवान खाप से सुरजभान मोजूद रहे।

आने वाली पीढ़ियां रखेंगी याद : श्याम सुंदर

लंबे संघर्ष और राम भक्तों के बलिदान के बाद आया ऐतिहासिक क्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

पर्वतारोही अनिता कुंडू ने कहा कि सालों की मेहनत का फल मिला है, करीब पांच सौ साल बाद अनेक संघर्षों के अयोध्या में रामजी पधारे है, ये सब कुछ पीएम नरेंद्र मोदी की बदौलत हुआ है, ये देश की जनता के लिए ऐतिहासिक क्षण है। राम जी के पधारने का कार्यक्रम देश ही नहीं वश्वि में भारत वंसी रहते ह उनको के लिए यह गौरवशाली क्षण हमेशा याद रहेगा।

सोमवार को गांव मानहेरू में श्याम सुंदर द्वारा रामजी की प्राण प्रतष्ठि कार्यक्रम के लाइव प्रसारण की व्यस्था की हुई थी, इस दौरान उन्होंने उक्त बात कही। उन्होंने कहा कि पांच सौ साल बाद श्रीराम जी पधार रहे है। उनके आगमन को लेकर जन-जन उत्साहित है। वश्विास करते हैं कि रामजी मंदिर में आ गए तो रामराज आ गया है।

घी के दीपक जलाए

देश की जनता के लिए इससे बड़ा कोई गौरवंतित करने वाला क्षण नहीं है। क्योंकि अनेक लोगों के संघर्ष अथाह मेहनत की बदौलत आज यह दिन देखने को मिला है। उन्होंने बताया कि सर्व समाज सेना के अध्यक्ष श्याम सुंदर सनातनी द्वारा 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाले राम मंदिर में मूर्ति की प्राण प्रतष्ठि पर होने वाले कार्यक्रम की सफलता के लिए सात दिवसीय पदयात्रा को सातवें दिनों तक निकाली। यह एक सबसे बड़ी समाज सेवा है। पदयात्रा के संयोजक श्याम सुंदर सनातनी ने कहा सैंकड़ों वर्षों के बाद अयोध्या में राम जी की प्रतिमा की प्राण प्रतष्ठि कार्यकम के गवाह बने। आज पूरे देश के लोग सनातनी दिवाली मना रहे। कहीं पटाखे तो कही घी के दीपक जलाए जा रहे हैं।

ऐतिहासिक दिन : श्याम सुंदर

सर्व समाज सेना के अध्यक्ष श्याम सुंदर सनातनी ने बताया कि आज का दिन ऐतिहासिक है, जो कि इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। अब से पहले इतना बड़ा कार्यक्रम कभी नहीं हुआ। पी.एम. नरेंद्र मोदी की बदौलत ही 5 शतकों के बाद अयोध्या में राममंदिर में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतष्ठि हुई।

- पर्वतारोही अनिता कुंडू बोली–सालों की मेहनत का फल मिला

ये रहे मौजूद

इस मौके पर मीडिया प्रभारी प्रमोद पुनिया, प्रशांत शर्मा, वीना, कृष्ण मास्टर, विजय सांगवान, सोनिया कौशिक, राकेश बसौड़, संदीप शास्त्री, बिमला आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

भावी पीढ़ियों को राम चरित्र अपनाने की मिलेगी प्रेरणा

भिवानी। छोटी कांशी के नाम से विख्यात भिवानी शहर में रामलला प्राण प्रतिष्ठा की खुशी एवं उत्साह साफ तौर पर देखने को मिला। शहर के विभिन्न मंदिरों को भव्य तरीके से सजाया गया तथा भजन-कीर्तन का आयोजन किया। वहीं अनेक झांकियां निकालकर भी रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की खुशी मनाई गई। इसी कड़ी में दादरी गेट स्थित श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर में रामलला प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन स्वामी सदानंद महाराज के निर्देशन तथा स्वामी मुकुंद शरण के सानिध्य में किया गया, जिसमें प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण दिखाया गया। लाइव प्रसारण में शहर के विभिन्न स्कूल व कॉलेजों के विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा भगवान राम का आशीर्वाद पाया। इस दौरान प्रातःकाल से ही मंदिर में पूजा-अर्चना एवं अखंड कीर्तन के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। इसके बाद भंडारे का आयोजन किया, जिसमें सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद चखा। इस दौरान श्रद्धालुओं ने श्रीराम नाम के गगनभेदी उदघोष भी लगाए।

हरिभूमि सहेली
रोहतक, मंगलवार
23 जनवरी 2024

आज जब हम अपना 75वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहे हैं, महिलाओं की स्थिति का आकलन करते हैं तो उनकी राह आसान नहीं दिखती है। लेकिन महिलाओं ने संघर्ष किया और अपना विकास पथ बनाया। आज देश में ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं है, जहां महिलाओं की सशक्त भागीदारी ना हो। वे भारत के विकास की अहम कड़ी बन हमारे गणतंत्र को मजबूत बना रही हैं।

भारतीय गणतंत्र को सशक्त बना रही हैं महिलाएं

आवरण कथा / डॉ. मोनिका शर्मा

किसी भी राष्ट्र की बुनियाद उसकी पारिवारिक व्यवस्था होती है। हर क्षेत्र में देश को आगे ले जाने वाले नागरिक घर के आंगन में बड़े होते हैं। उनके विचार और व्यवहार को इसी परिवेश में वह दिशा मिलती है, जो देश की दशा बदल दे। इस मोर्चे पर घरेलू महिलाएं सैनिक-सी डटी नजर आती हैं। वहीं काम-काजी दुनिया में भी महिलाओं ने अपनी भूमिका को हर पहलू पर सिद्ध किया है। परवरिश के दायित्व निर्वहन और पारिवारिक रिश्तों-नातों को पोसते हुए प्रोफेशनल वर्ल्ड में बढ़ती भारतीय महिलाओं की धमक इस गणतांत्रिक देश की गौरव गाथा का हिस्सा है।

जिजीविषा, जद्दोजहद और जीत

एक ओर महिलाएं काम-काजी महिला के रूप में नई इबारत लिख रही हैं तो दूसरी ओर घरेलू जिम्मेदारियां संभालते हुए देश की तरक्की की बुनियाद का पत्थर बन मन-जीवन को थामने का दायित्व भी निभा रही हैं। 75वां गणतंत्र दिवस मनाने जा रहे हमारे देश में आधी आबादी का यह सफर आसान नहीं रहा। भारतीय महिलाओं के भीतर बसी जिजीविषा ही है कि उनके कदमों की गति बनी रही। कभी साक्षर भर होने की लड़ाई लड़ने वाली महिलाएं अब उच्च शिक्षा की डिग्रियां ले रही हैं। हर वर्ष परीक्षा परिणामों में अव्वल आती बेटियों के चेहरे बताते हैं कि जद्दोजहद के बाद जीत निश्चित है। सबसे अहम यह है कि उनकी इस जीत में देश की व्यवस्था भी विजेता बन रही है। शिक्षित सजग बेटियां सैन्य मोर्चे से लेकर अंतरिक्ष के अभियानों तक अहम हिस्सेदारी रखती हैं। गणतांत्रिक व्यवस्था वाले हमारे देश में संविधान ने तो महिलाओं और पुरुषों को समान नागरिक अधिकार दिए, लेकिन इन अधिकारों को जीने के लिए आधी आबादी को अनगिनत मोर्चों पर संघर्ष करना पड़ा है। महिलाओं ने पूरे मनोयोग से हर स्तर पर यह लड़ाई लड़ी। जिजीविषा के बल

पर जद्दोजहद करते हुए स्वतंत्र अस्तित्व गढ़ने और गणतंत्र को सशक्त बनाने में प्रभावी भूमिका दर्ज कारवाई। विपरीत परिस्थितियों में भी सशक्त मन से उठाए सबल कदमों ने आधी आबादी की जीत सुनिश्चित की।

जागरुकता और जज्बातों का मेल

महिलाओं का सबल होना किसी भी सशक्त राष्ट्र की संजीवनी के समान होता है। बतौर नागरिक सशक्त व्यक्तित्व की धनी महिलाओं का मन संवेदनाओं से पूरित हो, इससे बेहतर क्या हो सकता है। भारतीय महिलाएं अपने मनोबल को कायम रखने और औरों के मर्म को समझने वाले व्यक्तित्व की धनी हैं। आज की महिलाएं जागरूक हैं तो जज्बातों को समझने वाली भी। मेहनती हैं तो अपनों की मान-मनुहार करने वाली भी हैं। सजग हैं तो सामाजिक भी। आधी आबादी की सबलता और मानवीय भावों की समझ का यह मेल समाज को पुख्ता आधार देता है। यही बुनियाद पूरी व्यवस्था को मजबूती से थामती है। आधी आबादी के समझ और संवेदनाओं भरे संघर्ष का ही परिणाम है कि सशक्त नागरिक की भूमिका को जी रहीं भारतीय महिलाएं सामाजिकता के रंग भी बचाए हुए हैं। जीवन के कितने ही रंगों को समेटे बदलाव और बेहतरी की मशाल थामे देश के विकास में भागीदार बन रही हैं। उनके इस हौसले के चलते ही बहुत कुछ बदला है। साथ ही बेहतरी के भावी बदलावों की आशाओं से भी हमारी झोली भरी है। जिस समाज में महिलाओं को अशक्त और आदर्श बनाकर दोयम दर्जे की नागरिक माना गया, वहां अनगिनत समस्याओं से लड़ते हुए स्वावलंबन की ओर अग्रसर होना नई आशाओं को बल देता है। भारतीय गणतंत्र की मुकम्मल कामयाबी में आधी आबादी की भूमिका रेखांकित करने योग्य है।

समर्पण और सुदृढ़ सोच

भारतीय महिलाएं सधी सोच समर्पण के भाव संग समाज में नवसृजन-नवनिर्माण कर रही हैं। उनका चेतना संपन्न व्यक्तित्व नए मार्ग चुन नई मंजिलें तय कर रहा है। महिला मन के मजबूत इरादों से साल-दर-साल उपलब्धियां बढ़ ही रही हैं। महिला वोटर्स की सजगता और भागीदारी देखकर हर बार सुखद आश्चर्य होता है। पंचायती राजव्यवस्था के माध्यम से लोकतांत्रिक संस्थाओं से भी आधी आबादी का जुड़ाव बढ़ा है। साल 2023 में नारी शक्ति वंदन विधेयक यानी वुमन रिजर्वेशन बिल संसद द्वारा पारित किया गया। इस विधेयक में पार्लियामेंट और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान है। लंबा समय लेने के बावजूद इन बदलावों का धरातल पर उतरने का कारण महिलाओं की दृढ़ता ही है। भारतीय संविधान को बहुत सी आशाओं के साथ देश में लागू किया गया था। इन उम्मीदों में स्त्रियों के लिए समानता और सबलता का पक्ष सबसे अहम था। मौजूदा दौर में स्वतंत्र गणराज्य में देश की आधी आबादी का जीवन हर पहलू पर बदलाव का साक्षी बना है। देश की आजादी के आंदोलन से लेकर मौजूदा समय में राजनीतिक आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सामाजिक-पारिवारिक मोर्चों पर उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाएं आज स्वयंसिद्धा हैं।

अभिमत / प्रस्तुति : अंशु सिंह

हमारे संविधान ने महिलाओं और पुरुषों को समान अधिकार दिए हैं, लेकिन हमारी परंपरागत सोच ऐसी रही है कि महिलाओं के विकास में बाधाएं बनी हुई हैं, इसका बड़े विवेक से सामना करते हुए हमें आगे बढ़ना होगा, तभी हम भारतीय गणतंत्र में अपनी सार्थक भागीदारी निभा सकेंगे।

गणतंत्र में ऐसे संभव है हमारी सार्थक भागीदारी

कृष्णा अग्निहोत्री, लेखिका

अब गणतंत्र ही नहीं, गुण तंत्र की अधिक आवश्यकता है, जो गणतंत्र का परिष्कृत रूप होगा। यह महिलाओं के गुण से ज्यादा प्रभावी होगा। क्योंकि नारी सृजन में अत्यधिक प्रवीण है। उसके इस गुण से राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर निर्वाचित पद पाने में आसानी होगी। निर्वाचित महिला, महिलाओं के खिलाफ हिंसा, मातृ-स्वास्थ्य जैसे कल्याणकारी मुद्दे और योजनाओं पर अधिक विचार करेगी। राजनीतिक पार्टियों को टिकट बंटवारे में महिलाओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे और भी कल्याणकारी योजनाओं पर बल दिया जाना चाहिए। मैं मानती हूं कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ने से समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भारतीय समाज और राजनीति में नारी की भागीदारी बढ़ाने के लिए उसे शिक्षा की सुविधा दी जाए, तो वे अपनी विजय का परचम लहराकर देश के गणतंत्र को सशक्त बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएंगी।

रीता गंगवानी, पर्सनालिटी ट्रांसफॉर्मेशन कोच

भारतीय महिलाएं काफी हद तक सशक्त हो चुकी हैं। अब जरूरत है, लैंगिक समानता लाने की। क्योंकि महिलाएं आज भी समान वेतन के लिए संघर्षरत हैं। कार्यस्थल पर उनके लिए उपयुक्त और सुरक्षित माहौल का अभाव है। शादी करना या मातृत्व लाभ लेना उनकी पेशेवर तरक्की में बाधा बनती है। आज महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। अच्छी बात यह है कि देश में महिला साक्षरता दर बढ़ने से उनका आत्मविश्वास कई गुणा बढ़ा है। महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। इतना ही नहीं, राजनीति में भी उनका दखल स्पष्ट दिखाई देने लगा है। महिला आरक्षण विधेयक 'नारी शक्ति वंदन बिल' को मंजूरी मिलने के बाद एक उम्मीद जगी है कि इससे राजनीति में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा, उनकी समस्याओं पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

प्रो. फरहाना कौसर, राजनीति शास्त्र विभाग, एएमयू

जब हम महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की बात करते हैं, तो सबसे पहले हमें यह देखना है कि महिलाओं को स्वतंत्र निर्णय लेने की कितनी आजादी है। मसलन, पंचायती राज व्यवस्था को ही लें। वहां महिलाओं का अच्छा प्रतिनिधित्व देखने को मिलता है। लेकिन सिक्के का दूसरा पहलू यह है कि ज्यादातर मामलों में फैसले उनके पति लेते हैं। यह कैसी व्यवस्था है? जनता महिला उम्मीदवार को चुनती है, तो निर्णय लेने का अधिकार भी उनका ही होना चाहिए। अब जब 33 फीसदी आरक्षण के जरिए संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ने जा रही है, तो राजनीतिक दलों के साथ खुद महिलाओं को सोचना होगा कि वे किस प्रकार से राष्ट्र निर्माण में एक सार्थक और सकारात्मक भूमिका निभा सकती हैं, भारत के गणतंत्र को सशक्त बना सकती हैं।

मुमताज जे. शेख, एडवोकेट-सुप्रीम कोर्ट

आज के समय में महिलाएं पुरुषों से किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। सभी जगहों में अहम भूमिका में हैं। वे विज्ञान जगत में बेहतरीन कार्य कर रही हैं। बड़े-बड़े स्पेस मिशन का नेतृत्व कर रही हैं। दरअसल, महिलाएं प्रतिदिन कई प्रकार की भूमिकाएं सहजता से निभाती हैं, जिस कारण उन्हें समाज की रीढ़ माना जाता है। ऐसे में महिलाएं अपने नजरिए में बड़ा बदलाव लाकर खुद को सशक्त बना सकती हैं। अपने अधिकारों को पूरा लेने के लिए और समाज में न्याय, समानता बनाए रखने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी होगी। गरीबी, दहेज प्रथा, अशिक्षा के संपूर्ण उन्मूलन और महिलाओं से संबंधित कार्यक्रमों और कानूनों के सार्थक कार्यान्वयन के लिए सख्ती से काम करना होगा, क्योंकि गणतंत्र की मजबूती के लिए महिला सशक्तिकरण जरूरी है। यह परिवार, समाज के साथ राष्ट्रोन्नति के लिए भी अति आवश्यक है।

नए कीर्तिमान / वीना गौतम

गणतंत्र का मजबूत पहिया हैं भारतीय महिलाएं

आजादी के बाद संविधान निर्मित 'भारतीय गणतंत्र' में महिलाओं का अतुलनीय योगदान रहा है। राजनीति, शिक्षा, देश की आंतरिक-वाह्य सुरक्षा, मेडिकल, व्यवसाय, खेल, एयरोस्पेस और प्रौद्योगिकी से लेकर उद्यमिता, सामाजिक सक्रियता और कला-संस्कृति तक कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहां महिलाएं अग्रिम मोर्चे पर अपनी भूमिकाएं ना निभा रही हों।

राजनीति-शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान : हाल के सालों में भारत की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, वे देश की निर्णय लेने की प्रक्रिया पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रही हैं। आज वो प्रमुख पदों पर हैं, जिनमें राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री जैसे सर्वोच्च पद भी शामिल हैं। महिलाओं ने शिक्षा के क्षेत्र में भी हाल के दशकों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आज भारतीय महिलाएं महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धाओं में भी शानदार उपस्थिति दर्शा रही हैं।

देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान

व्यापार के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, वे देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। महिलाएं विभिन्न बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नेतृत्व पदों पर कार्यरत हैं और भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि और विकास में योगदान दे रही हैं।

खेल में बढ़ा रही हैं देश का गौरव : महिलाओं ने खेल के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वे एथलीट, प्रशिक्षकों और प्रशासकों के रूप में प्रमुख पदों पर आसीन हुई हैं। उड़न परी पीटी उषा, साइना नेहवाल, कर्णम मल्लेश्वरी, सायना मिर्जा, पीवी सिंधु और मैरी कॉम जैसी लड़कियों ने विश्व में भारत का गौरव बढ़ाया है।

एयरोस्पेस के क्षेत्र में योगदान : भारतीय महिलाओं ने एयरोस्पेस के क्षेत्र में भी नई लकीर खींची है। वे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रशासकों के रूप में प्रमुख पदों पर आसीन हुई हैं। इसरो में महिलाओं ने एयरोस्पेस के क्षेत्र में पुरुष वैज्ञानिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर जो काम किया है।

भारतीय गणतंत्र में अमिट छाप : देखा जाए तो महिलाओं ने आजादी के बाद के पिछले कई दशकों में अपने सभी तरह के अधिकारों, सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों के बारे में भी हाल के सालों में जागरुकता बढ़ाने के लिए सभी संभव प्लेटफॉर्मों का उपयोग किया है। हर कार्यक्षेत्र में उन्होंने उल्लेखनीय सफलताएं हासिल की ही हैं, भारतीय गणतंत्र में अपनी एक अमिट छाप भी छोड़ी है।

भारतीय संविधान में सभी नागरिकों को समान अधिकार दिए गए हैं। लेकिन महिलाएं अपने अधिकारों का पूरा उपयोग नहीं कर पाती हैं। देश के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है कि वे अपने अधिकारों के प्रति सचेत हों।

स्वविवेक से हम करें अपने अधिकारों का उपयोग

आह्वान / आशा शर्मा

भारत का संविधान लिखते समय बाबा साहब आंबेडकर और उनकी प्रारूप समिति द्वारा समाज के सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखा गया था। आज हम अपने संविधान पर गर्व करते हैं, क्योंकि इसमें समाज की आधी आबादी को भी पूरे अधिकार दिए गए हैं। भारतीय संविधान में महिलाओं को भी पुरुषों के बराबर अधिकार देने का प्रावधान है, लेकिन क्या सामाजिक स्तर पर भी संविधान की पालना की जाती है? क्या हमारा गण (समाज) भी तंत्र (संविधान) के समान महिलाओं को समता का अधिकार देता है? यदि नहीं तो महिलाओं के ऐसे बहुत से मौलिक अधिकार हैं, जिन पर गण और तंत्र की सोच के बीच के मतभेद को मिटाने की पहल करने की जरूरत है। यहां हम ऐसे ही कुछ मौलिक अधिकारों की सामाजिक स्थिति को देखने का प्रयास कर रहे हैं।

मतदान का अधिकार: संविधान का अनुच्छेद 326 हमें मतदान का अधिकार देता है। हमारे देश में संविधान द्वारा 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के हर व्यक्ति को मतदान का अधिकार दिया गया है। तंत्र के स्तर पर देखा जाए तो इसमें स्त्री-पुरुष में कोई भेद नहीं है, लेकिन सामाजिक स्तर पर देखें तो आज भी अधिकांश महिलाओं के वोट की स्थिति परिवार के पुरुषों द्वारा निर्धारित की जाती है। सुनो स्त्रियों! अब दूसरों द्वारा निर्देशित इस मानसिकता से बाहर निकलने का समय आ गया है। स्वयं विचार करो, सोचो-समझो फिर सही प्रत्याशी को अपने मत के जरिए चुनो।

शिक्षा का अधिकार : संविधान के अनुच्छेद 21, भाग 3 में शिक्षा का अधिकार दिया गया है। संविधान में 6 से 14 वर्ष के प्रत्येक बच्चे को मुफ्त एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार है। इसके साथ-साथ सरकारें भी अपने स्तर पर महिला शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल करते हुए उनके हित में अनेक योजनाएं लाती हैं। लेकिन इतना सब कुछ होने के बावजूद सामाजिक स्तर पर आज भी महिला शिक्षा को अधिक महत्व नहीं दिया जाता। कोई परिवार यदि एक ही बच्चे को पढ़ाने में सक्षम है तो निश्चित रूप से वह बालक की शिक्षा को ही प्राथमिकता देगा बालिका की शिक्षा को नहीं। सुनो स्त्रियों! तुम चाहे कैसी भी परिस्थिति में रह रही हो लेकिन बेटे के समान ही अपनी बेटी को भी शिक्षा का अधिकार अवश्य दिलाओ।

समान वेतन का अधिकार : संशोधित अधिनियम-1976, अनुच्छेद-141 के अनुसार, संविधान में समान पद पर समान वेतन का अधिकार प्रदत्त है। लेकिन सामाजिक स्तर पर महिलाओं को यह अधिकार केवल सरकारी नौकरियों तक ही सीमित है। अन्य कई संस्थानों में आज भी महिला और पुरुषों के वेतनमान में असमानता देखी जाती है। सुनो स्त्रियों! अपने साथ हो रहे इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने से ना झिझको। आंदोलन करो और अपना हक लेकर ही मानो।

संपत्ति में अधिकार : हिंदू उत्तराधिकार संशोधन अधिनियम, 2005 के अनुसार, भारतीय संविधान महिलाओं को पैतृक संपत्ति में भी बराबर का अधिकार देता है। लेकिन अपने आस-पास के समाज में निगाह दौड़ाएं तो ऐसे कितने परिवार हैं, जो इस कानून को मानते हैं? आज भी पैतृक संपत्ति घर के बेटों में ही बराबर बंटती है। सुनो स्त्रियों! अपनी भावनाओं से खेलने का हक किसी को ना दो। अपने अधिकार का हिस्सा लेने में कैसी शर्म?

जीवनसाथी चुनने का अधिकार : संविधान का अनुच्छेद 21 महिलाओं को भी पुरुषों के समान अपना जीवनसाथी चुनने का अधिकार देता है। लेकिन क्या सचमुच महिलाएं ऐसा करने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं? सच यह है कि आज भी उनकी सोच पर परिवार और समाज का पहरा होता है। ऑनर किलिंग जैसी घटनाएं, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। सुनो स्त्रियों! अपने मन की सुनो। बिना किसी दबाव के अपना जीवनसाथी चुनो, क्योंकि उसके साथ जीवन तुम्हें बिताना है, समाज को नहीं। ऐसे ही और भी बहुत से अधिकारों के बारे में जागरूक होना होगा।

गर्वायोजन / शैलेंद्र सिंह

गणतंत्र दिवस परेड में दिखेगी नारीशक्ति की शान

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक के हमारे भारत में बहुत कुछ नया, बहुत कुछ पहली बार हो रहा है। इसी क्रम में इस बार गणतंत्र दिवस परेड पर महिला सैनिकों की भरपूर जांबाजी देखने को मिलेगी।

बहुत कुछ दिखेगा पहली बार: इस साल गणतंत्र दिवस परेड को साल 2019 बैच की भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्वेता के. सुगाथन लीड करेंगी। इस परेड में दिल्ली पुलिस की हेड महिला कांस्टेबलों के साथ, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, नौसेना, वायु सेना सहित सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं के महानिदेशक की सभी महिला टुकड़ियां भी शामिल होंगी, जिनमें सैन्य नर्सिंग सेवा और महिला डॉक्टर भी शामिल होंगी। इस बार गणतंत्र दिवस की मार्चिंग परेड में तीनों सेनाओं की अग्निवीर महिला सैनिक भागीदारी करेंगी। इस बार की परेड में आर्मी, इंडियन नेवी और एयरफोर्स की महिला सैनिकों का जॉइंट दस्ता भी होगा, जिन्हें तीनों सेनाओं की महिला ऑफिसर एक साथ परेड में लीड करेंगी। अब के पहले कभी भी तीनों सेनाओं का संयुक्त दस्ता गणतंत्र दिवस परेड में एक साथ शामिल नहीं हुआ। इसलिए यह ऐतिहासिक घटना होगी। इसकी घोषणा पिछले साल ही कर दी गई थी।

परेड की थीम होगी नारीशक्ति : भारत में गणतंत्र दिवस परेड, सैन्य समारोह के मामले में सबसे महत्वपूर्ण दिन होता है। ऐसे में इस बार कर्त्तव्य पथ पर महिला सैनिकों की परेड देखना, एक नए युग को करवट लेते देखना होगा। सिर्फ महिला सैनिकों की परेड ही नहीं होगी बल्कि इस परेड में झांकी और परफॉर्मेंस में भी महिलाएं ही शामिल होंगी। मार्चिंग बैंड भी महिलाओं का ही होगा। हालांकि साल 2015 के गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार तीनों सेनाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली महिला अफसरों के दस्ते ने शिरकत की थी लेकिन पूरी तरह से परेड की थीम नारी शक्ति पर पहली बार रखी गई है।

बढ़ रही महिला भागीदारी : दिल्ली पुलिस के महिला पाइप बैंड का नेतृत्व भी एक महिला अधिकारी रुयांगुनुओ केंसे करेंगी। वास्तव में केंद्र सरकार ने इस बार गणतंत्र दिवस परेड की पूरी थीम को महिला भागीदारी से ओत-प्रोत रखा है। इस फैसले के चलते कर्त्तव्य पथ पर इस साल हर तरफ देश का परचम लहराती हुई महिलाएं नजर आएंगी। हालांकि यह अचानक नहीं हो रहा, वर्तमान केंद्र सरकार लगातार सशस्त्र बलों में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है और अब सेना के तमाम क्षेत्रों में भविष्य का नेतृत्व महिलाओं को सौंपे जाने की तैयारी हो रही है। भारतीय सेना जल्द ही आर्टिलरी रेजीमेंट में महिलाओं को कमान सौंपने की तैयारी कर रही है।

सेना में दिख रहे कई बदलाव : हालांकि यह बहुत साहसी फैसला है कि कर्तव्य पथ पर मार्चिंग बैंड सिर्फ महिलाओं का हो, क्योंकि अभी तक मार्चिंग दस्ते में भी और मार्चिंग बैंड में भी पुरुषों का ही वर्चस्व रहा है। लेकिन अब धीरे-धीरे स्थितियां हर तरफ बदल रही हैं और आने वाले दिनों में ऐतिहासिक रूप से बदली हुई दिखेंगी। भारत की तीनों सेनाओं में आने वाले दिनों में महिलाएं, पुरुषों के बराबर भूमिकाओं में मौजूद होंगी। वे लड़ाकू विमान उड़ाएंगी, युद्धपोतों की कमान संभालेंगी और इंफैंट्री टैंक और कॉम्बैट में भी पॉजिशन लेती हुई दिखेंगी। उन्हें स्थाई कमीशन देकर कमांड भूमिकाएं सौंपी जाएंगी। कर्नल गीता राणा कुछ दिनों पहले चीन की सीमा से लगे संवेदनशील लद्दाख के क्षेत्र में एक स्वतंत्र इकाई की कमान संभाल चुकी हैं, जो पहली महिला सैन्य अधिकारी हैं। इसी साल हिंदुस्तान में अपनी किसी महिला सैन्य अधिकारी कैप्टन शिवा चौहान को दुनिया के सबसे ऊंचे और ठंडे युद्ध क्षेत्र सियाचीन में तैनात किया है। भारतीय सेना में हो रहे ये तमाम ऐतिहासिक बदलाव इस बार की गणतंत्र दिवस परेड में दिखेंगे। सेना में आधी आबादी महत्वपूर्ण ताकत के रूप में उभर रही है। यह अकारण नहीं है कि भारत ने पहली बार सूडान के अबेई जैसे जोखिम भरे क्षेत्र में 27 महिला शांति सैनिकों की अपनी टुकड़ी तैनात की है। इन सब ऐतिहासिक हलचलों के बीच गणतंत्र दिवस परेड का खास होना स्वाभाविक है।

शोभायात्रा में लगे श्रीराम के जयकारे

बवानीखेड़ा। अयोध्या में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बवानीखेड़ा के सर्वसमाज के रामभक्तों ने एकत्रित होकर कस्बें में शोभायात्रा निकाली। दूसरे दिन शोभायात्रा बड़ा गौरवा से होते हुए विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए नागरिक अस्पताल व कस्बा के विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए वापस निर्धारित स्थान पर पहुंची। ट्रैक्टर-ट्राली में श्रीराम की प्रतिमा को रखकर फूल मालाओं से प्रतिमा व वाहन को सजाकर सैंकड़ों की संख्या में महिला, पुरूष, बच्चों ने हाथों में श्रीराम नाम के झंडे लेकर शोभायात्रा जयकारे लगाए। शोभायात्रा में सभी का जोश एवं उत्साह देखते ही बनता था।

महिलाओं व युवतियों ने मनाया दीपोत्सव

भिवानी। भगवान श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में झांसी की रानी एक प्रेरणा समूह द्वारा सोमवार को गांव धनाना में दीपोत्सव मनाया। इस मौके पर समूह की प्रदेश अध्यक्ष प्रियंका प्रजापति एवं सदस्या श्वेता ने कहा कि 500 वर्षो के लंबे इंतजार के बाद रामलला अपने घर में विराजे है, जिसके चलते देशभर में उत्साह का माहौल है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का अपने घर में आगमन होना न केवल देश, बल्कि विदेशों में रहने वाले प्रत्येक हिंदु के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम का अपने मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होना इतिहास बना है। कई पीढ़िया इस क्षण का इंतजार कर रही थी।

शबरी प्रसंग की जीवन्त प्रस्तुति दी

भिवानी। अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य पर श्रीराम पाठशाला में 501 दीप जलाए तथा प्रसाद वितरण किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष सुरेन्द्र जैन एडवोकेट ने कहा कि पांच सौ सालों के लम्बे इंतजार के बाद आज का दिन आया है। अयोध्या में रामलला की भव्य प्राण प्रतिष्ठा होना सबके लिए गौरव की गाथा है। रमेश बंसल ने बच्चों को भगवान श्रीराम के जीवन से शिक्षा लेने का आह्वान किया और कहा कि श्रीराम सबके आदर्श एवं भगवान है। स्कूल की छात्राओं ने शबरी के प्रसंग की जीवन्त प्रस्तुति देकर सबको भावविभोर कर दिया। पूरा परिसर जय श्रीराम के नारों से गुंजायमान हो रहा था।

प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बने लोग

भिवानी। अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में चिरंजीव कॉलोनी के श्रीश्याम मंदिर में श्रीश्याम मिलन मंडल के तत्वाधान में महिलाओं ने भव्य ध्वजा यात्रा निकाली। उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बनकर चिरंजीव कॉलोनी, लेबर कॉलोनी, विजय नगर, रामनगर एवं जगत कॉलोनी से जय जय श्रीराम का उद्घोष करते हुए यात्रा का समापन श्रीश्याम मंदिर में किया। मंडल के मुख्य संरक्षक नरोत्तम बागड़ी ने संबोधन में कहा कि सारा देश राममय हो गया है, देश के प्रधानमंत्री मोदी ने देश की जनता को आह्वान किया कि हर छोटे-बड़े मंदिर, बाजार, चौराहे गलियों में दीप जलाकर भगवान श्रीराम का स्वागत करें।

करुणा, दया, त्याग, शौर्य एवं पराक्रम की प्रतिमूर्ति हैं भगवान श्रीरामः डॉ. अशोक

मंदिरों में हवन- यज्ञ किए , दानी लोगों ने कंबल बांटे एवं दीपोत्सव का आयोजन करवाया, शहर में जगह- जगह भंडारे लगाए

जहरगिरी आश्रम में दिखाया भगवान श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

भगवान श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा को लेकर अयोध्या नगरी में उत्साह का माहौल रहा तथा विभिन्न कार्यक्रमों से भगवान श्रीराम का स्वागत किया। इसी कड़ी में छोटी काशी में रामलला प्राण प्रतिष्ठा का रामभक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला तथा शहर के छोटे-बड़े मंदिरों में कार्यक्रमों का आयोजन कर भगवान श्रीराम की स्तुति की गई। इसी कड़ी में सिद्धपीठ बाबा जहरगिरी आश्रम के पीठाधीश्वर अंतरराष्ट्रीय श्रीमहंत जूना अखाड़ा डॉ. अशोक गिरी महाराज के सान्निध्य में सोमवार को आश्रम परिसर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। आश्रम में प्रातः हवन-यज्ञ का आयोजन किया और प्राण प्रतिष्ठा समारोह का लाइव प्रसारण दिखाया गया। इसके उपरांत जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए तथा शाम को दीपोत्सव मनाया गया, जिसके तहत पूरे आश्रम परिसर को भव्य तरीके से दीपों से सजाया गया। डॉ. अशोक गिरी ने कहा कि वर्षों के तप के बाद भगवान श्रीराम अपने महल में विराजे हैं, ये प्रत्येक हिंदु के लिए गौरव का क्षण है।

भिवानी। हवन यज्ञ में आहुति डालते श्रीमहंत डॉ. अशोक गिरी व अन्य श्रद्घालुगण।

सेक्टर 13 में मनाया श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा उत्सव

- आयोजन के तहत ग्रीन बेल्ट में बैनर लगाकर एक सेल्फी प्वाइंट बनाया

भिवानी। सेक्टर 13 में अयोध्या में श्रीराम लला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान न्यू हाउसिंग बोर्ड ग्रीन वेलफेयर सोसाइटी के संरक्षक कैप्टन रमेश तंवर, प्रधान धनपत सांगवान, सचिव राजेश एडवोकेट के सानिध्य में उत्सव का आयोजन किया। आयोजन के तहत ग्रीन बेल्ट में बैनर लगाकर एक सेल्फी प्वाइंट बनाया, जिसमें श्रीरामजी का उद्घोष किया। इसके बाद प्रसाद वितरण किया गया। उत्सव में हेडमास्टर राजकुमार शर्मा, जयदीप परमार, सुधीर दीक्षित एसडीओ, पवन नारंग, सत्यप्रकाश, कार्तिक शर्मा, दीपक शर्मा, मनीष यादव आदि मौजूद रहे।

हलवासिया विद्या विहार में मनाया रामोत्सव

भिवानी। हलवासिया विद्या विहार में श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में रामोत्सव का आयोजन किया। यह अवसर रामलला, राम जन्मभूमि और रामनगरी के साथ दुनिया के कोटि-कोटि रामभक्तों के लिए अद्भुत,अपूर्व और अत्यंत आह्लादकारी रहा। विद्यालय में अमृतवाणी ,हवन-यज्ञ तथा भजन कार्यक्रम का आयोजन किया। आचार्या अनुराधा ने 'राम आएंगे' सुंदर भजन की प्रस्तुति दी। अनन्या और रुद्रा ने खूबसूरत नृत्य की प्रस्तुति दी। विद्यार्थी अयान और देव के माध्यम से भगवान राम और लक्ष्मण की बहुत ही सुंदर झांकी प्रस्तुत की, जिसमें छात्रा काशवी ने मां शबरी की बहुत ही खूबसूरत भूमिका निभाई। कलाचार्या बिजयलक्ष्मी द्वारा 'रामजी की निकली सवारी' भजन के माध्यम से मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति देकर वातावरण को राममय बना दिया। विद्यालय प्रशासक दीवानचंद रहेजा ने कहा कि शबरी तथा केवट की भूमिका ने रामायण को संपूर्णता प्रदान की है। उन्होंने भगवान राम से प्रेरणा लेने का संदेश दिया कि प्रत्येक कार्य को ईमानदारी व निष्ठा से करके राम राज्य का सपना साकार कर सकते हैं। प्राचार्य विमलेश आर्य ने भगवान राम द्वारा प्रदत यज्ञ परंपरा का निर्वहन करते हुए वातावरण की शुद्धता के लिए यज्ञ किया। इस मौके पर उपप्राचार्या सरला शर्मा, काउंसलर मोहिनी मेहता, विभाग प्रमुख एलेक्जेंडर दास, राजेंद्र नरूला, सुवीरा गर्ग आदि मौजूद रहे।

श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर दीवाली की तरह सजा मंदिर, भक्तों ने चखा खीर का प्रसाद

भिवानी। जवाहर नगर में भाजपा महिला मोर्चा की मीडिया प्रभारी मंजु कथुरिया के सानिध्य में भगवान श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा पर एकता पार्क में लक्ष्मीनारायण मंदिर में भजन, कीर्तन व भंडारे का आयोजन किया, जिसमें विशेष तौर खीर का प्रसाद बनाया गया और श्रद्धालुओं को वितरित किया गया। कार्यक्रम में बोलते हुए पारूल, दीपिका, प्रीति, सपना, सरोज, सुदेश, मंजु, वंदना ने कहा कि लंबे इंतजार के बाद रामलला अपने महल अयोध्या में विराजे हैं, जिसके चलते देश भर में उत्साह का माहौल है तथा रामभक्त इस खुशी के दिन को दीपावली के त्यौहार की तरह मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का अपने घर में आगमन होना न केवल देश, बल्कि विदेशों में रहने वाले भी प्रत्येक हिंदू के लिए गर्व की बात है।

देव शिक्षा जागृति समिति आश्रम में दिव्यांग बच्चों ने मनाया प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

भिवानी। बावड़ी गेट रविदास मंदिर के पास कबीर देव शिक्षा जागृति समिति आश्रम में दिव्यांग बच्चों ने अयोध्या में भगवान श्रीरामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस दौरान समिति के प्रधान भगवानदास कालिया, कोच सतबीर देहरान, मास्टर गणेशचन्द्र, आशीष, सज्जन इटकान, कमल कायत, संदीप योगी, राजेन्द्र लडवाल, साधुराम डाबला, प्रतिभा विकास आदि ने भगवान श्रीराम की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्जवलित कर पूजा अर्चना की। इसके बाद आश्रम में एकत्रित सभी को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर रिना, हर्षा, ज्ञान देवी, संतोष, स्वीटी, सावित्री, बेवी, दिक्षा, कामना, सुषमा, नेत्रहीन छात्र राहुल पांडे, नितिन, रवि, अनीता, रिसु, रोहित, मोहन, सुनीता, तरूण शर्मा, समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

भगवान राम की तरह मयार्दा में जीवन जीने को किया प्रेरित

बवानीखेड़ा। बाबा कमल मंदिर में श्री राम मंदिर अयोध्या में भगवान श्री राम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा को बड़ी स्क्रीन पर दिखाया गया इसमें सभी कस्बा वासियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया तथा पूरे कार्यक्रम को सब ने बैठकर एक साथ देखा । भगवान राम की अनुपम प्रतिमा के दर्शन होते ही सारा वातावरण राम मय हो गया और भक्तजनों ने श्री राम के जयकारों से पूरे वातावरण को गूंजित कर दिया । ऐसा लग रहा था मानो समय ठहर गया हो। इसके बाद बच्चों ने सुंदर-सुंदर झांकियां प्रस्तुत की और नृत्य किया । सभी भक्तजनों ने इस पूरे कार्यक्रम का आनंद उठाया और जय श्री राम के नारों के साथ खूब नृत्य किया । समाज सेवक उमेश भारद्वाज ने भक्तों को संबोधित करते हुए राम मंदिर की महिमा का गुणगान किया और बताया कि कैसे बहुत शताब्दियों के कड़े संघर्ष और बलिदान के बाद श्री राम मंदिर का निर्माण हुआ है । उन्होंने इस अवसर पर सभी कस्बावासियों को भगवान राम की तरह मयार्दा में जीवन जीने की प्रेरणा दी । इस अवसर पर नवीन सोनी संजय कौशिक जितेंद्र सोनी मोहन सोनी दिनेश भारद्वाज जगदंबा मेहता सुभाष चित्रा नरेश शर्मा राजवीर चक्रवर्ती आदि मौजूद रहे।

जाति-पांति के भेदभाव को मिटाकर सौहार्द की भावना जगाता है श्री राम का चरित्र

भिवानी। कृष्णा कॉलोनी स्थित कपड़ा मार्केट में व्यापारियों ने भगवान श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान प्रातः हवन-यज्ञ का आयोजन कर प्रसाद वितरित किया गया। पंडित प्रदीप शर्मा ने हवन संपन करवाया। समारोह के उपलक्ष्य में बाजार को रंग-बिरंगी लाईटों से भव्य तरीके से से सजाया गया। इस मौके पर कृष्णा कॉलोनी मार्केट एसोसिएशन के प्रधान तकदीर सिंह ग्रेवाल, भीष्म, राधेश्याम, बांके बिहारी ने बताया कि देशभर के रामभक्तों में उत्साह व जोश दिखा तथा अनेक कार्यक्रमों के आयोजन हुए। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का चरित्र पारिवारिक रिश्तों की अहमियत को दर्शाता है, वहीं जाति-पाति के भेदभाव को मिटाकर मानव मात्र में सौहार्द की भावना जगाता है। श्रीराम हम सभी के इष्ट देव के साथ-साथ एक आदर्श भाई, आदर्श पुत्र, आदर्श राजा, आदर्श पिता के रूप में हम सभी के प्रेरणा स्त्रोत है।

श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में लगाया भंडारा, सैकड़ों लोगों ने चखा प्रसाद

बवानीखेड़ा। श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बवानीखेड़ा के नगर पालिका कार्यालय के नीचे प्रचलित नव्या फाउंडेशन वैलफेयर सोसायटी के सौजन्य से विशाल भंडारे का आयोजन किया, जिसमें भरतलाल शर्मा, हरीश कुमार, जोगेन्द्र शर्मा, संदीप शर्मा, विष्णु ओड, महेन्द्र ओड, सोनू मोठ, बिट्टू धमीजा आदि की अहम भूमिका रही। भंडारे की शुरूआत डेरा बाबा सोमवारपुरी कुटिया के महंत बाबा कैलाशगिरी महाराज के आशीर्वाद से हुई, जिसमें मुख्यातिथि समाजसेवी सुरेश ओड ने शिरकत की। भंडारे में हजारों की संख्या में भक्तों ने आकर प्रसाद ग्रहण किया। समाजसेवी भरतलाल शर्मा, हरीश व जोगेन्द्र शर्मा ने बताया कि भव्य प्राण प्रतिष्ठा को लेकर एक माह से योजना बनाई जा रही थी, जिसे सोमवार को अमलीजामा पहनाया और भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर आशीर्वाद लिया।

आस्था स्पेशल स्कूल में दिव्यांग बच्चों और स्टाफ ने हवन में डाली आहुति

भिवानी। आस्था स्पेशल स्कूल में सोमवार को अयोध्या में भगवान श्रीराम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा के मुहूर्त के समय पर हवन यज्ञ किया गया। आचार्य डॉ. तरुण कुलश्रेष्ठ ने आर्य वैदिक रीति के अनुसार यज्ञ में मंत्रोच्चारण के साथ आहुति डलवाई और भगवान श्रीराम की महिमा पर विस्तार से चर्चा की। संस्था के संस्थापक विजय शर्मा बताया कि दिव्यांग बच्चों के बीच अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के मुहूर्त के अनुसार ही यज्ञ का आयोजन किया गया। स्कूल में आयोजित हवन यज्ञ में दिव्यांग बच्चों ने आहुति डालकर सर्व मंगल कामना की। संस्था की प्राचार्य एवं संचालिका सुमन शर्मा ने दिव्यांग बच्चों को प्रसाद वितरण किया गया। उन्होंने कहा कि श्रीरामलाल की प्राण प्रतिष्ठा के संबंध में सांकेतिक भाषा के माध्यम से दिव्यांग बच्चों को विस्तार से बताया कि आज हमें प्रत्येक घर में पांच दीपक जलाकर दिवाली उत्सव मनाना चाहिए।

भगवान श्रीराम के आचरणों को जीवन में आम्तसात करने की जरूरतः वसुधा बहन

भिवानी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कादमा शाखा में श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर श्रीराम लक्ष्मण सीता की चैतन्य झांकी सजाई गई। झांकी में ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन, जिला पार्षद प्रतिनिधि अशोक जालौर, सरपंच प्रतिनिधि महेश फौजी, सतबीर शर्मा श्रीराधा कृष्ण गौशाला प्रधान हनुमान शर्मा, हरिकिशन राणा प्राचार्य, सुबे स्वामी पंच आदि ने द्वीप प्रज्जवलन किया। सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने कहा कि हमें मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आचरणों को जीवन में धारण कर समाज को आध्यात्मिक नैतिक और मानवीय मूल्यों में बांध भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रीराम में धैर्यशाली, भ्रातृत्व की भावना कूट-कूटकर भरी थी। बड़ों का सम्मान व छोटों से स्नेह उनके व्यक्तित्व में समाया हुआ था। ब्रह्माकुमारी बहन ने कहा कि हम सभी अगर समाज को दिव्य श्रेष्ठ बनाना चाहते हैं तो श्रीराम की तरह से मर्यादा में रहकर हर कर्म करें।

भाजपा की जनविरोधी नीतियों के चलते हर व्यक्ति परेशानः हंसमुख

कांग्रेस शासन में हुए विकास कार्यों से कराया अवगत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के 10 वर्षो के शासनकाल की उपलब्धियों एवं भाजपा सरकार की 10 वर्षो की नाकामियों को आमजन तक लाने के उद्देश्य से कांग्रेस द्वारा प्रदेशभर में घर घर कांग्रेस-हर घर कांग्रेस अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा के कांग्रेस ऑब्जर्वर हंसमुख चौधरी व वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रदीप गुलिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सोमवार को गांव हालुवास में ग्रामीणों से संपर्क साधा तथा उन्हें कांग्रेस शासन काल में हुए

भिवानी। ग्रामीणों से मुलाकात करते भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा के कांग्रेस ऑब्जर्वर हंसमुख चौधरी व वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रदीप गुलिया।

विकास कार्यो से अवगत करवाया। इस मौके पर ऑब्जर्वर हंसमुख चौधरी ने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में अभूतपूर्व विकास कार्य हुए थे, जिनकी बदौलत हरियाणा रोजगार व विकास के मामले में देशभर में अव्वल पायदान पर था, लेकिन भाजपा सरकार की जनविरोधी व बंटवारे की राजनीति के चलते आज हरियाणा बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार में अव्वल स्थान पर है।

भाजपा सरकार सिर्फ झूठी व बरगलाऊ

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की आमजन विरोधी नीतियों के चलते आज हर वर्ग परेशान व हताश है। वहीं शिक्षित युवा बेरोजगार है, किसानों को फसलों के उचित दाम नहीं मिल रहे, बढ़ती महंगाई सहित अन्य जनविरोधी नीतियों के चलते हर वर्ग परेशानी से जूझ रहा है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रदीप गुलिया ने कहा कि भाजपा सरकार सिर्फ झूठी व बरगलाऊ सरकार साबित हुई है, जिसने आमजन को राहत देने की बजाय जाति व धर्म के नाम बांटने का काम किया है। भाजपा का उद्धेश्य लोगों को जाति व धर्म के नाम पर उलझाकर असल मुद्दों से भटकाएं रखना है, ताकि उनकी कमियां छिपी रहे, जबकि कांग्रेस 36 बिरादरी की पार्टी है, जिसका उद्धेश्य राजनीति के माध्यम से जनसेवा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की इन्हीं जनविरोधी नीतियों को आमजन के समक्ष लाने के उद्धेश्य पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा, हरियाणा प्रभारी दीपक बावरिया व प्रदेशाध्यक्ष उदयभान के नेतृत्व में ये अभियान शुरू किया है। इस अवसर पर अरूण, जयकुमार, नरेश, सुबे सिंह, नंदकिशोर, संदीप, राजू, जगमेंद्र, दीपक, रत्न सिंह, सोमवीर सरपंच हालुवास, मोनू जांगड़ा, शिवकुमार, रॉबिन जोगी आदि मौजूद रहे।

भगवान श्रीराम के चरणों त्यागे प्राण

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भिवानी

अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर जवाहर चौक में सोमवार को एक सामाजिक संस्था द्वारा भगवान श्रीराम के राजतिलक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें गाने के माध्यम से राजतिलक की तैयारी चल रही थी और हनुमानजी की भूमिका निभा रहे सेवानिवृत जेई हरीश महता अपनी प्रस्तुति दे रहे थे। प्रस्तुति के दौरान जैसे ही गाना खत्म हुआ तो हनुमान जी की भूमिका निभा रहे हरीश महता ने भगवान श्रीराम के चरणों में शीश झुकाया और अपने प्राण त्याग दिये। उल्लेखनीय हैं कि सभी श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर उत्साहित थे और राजतिलक की तैयार का मंचन चल रहा था।

भिवानी। श्रीराम के शरणों में शरीर छोड़ गए हरीश महता।

मंचन के दौरान हनुमान की भूमिका निभा रहे हरीश भगवान श्रीराम जी के चरणों में पूजा करने के लिए लेटे तो उनके प्राण पखेरू उड़ गए।

किसी को इस बात का आभास नहीं था कि हरीश महता के प्राण पखेरु उड़ चुके हैं, वो कार्यक्रम के आयोजक व मौजूद सभी लोग उनके अभिनय को देखकर भावुक हो रहे थे, जब श्रीराम के उठाने पर भी नहीं उठे तो मामला समझ में आया और उन्हें होश में लाने का प्रयास किया गया, लेकिन जब तक वे प्राण त्याग चुके थे। इसके बाद में उन्हें हनुमान जी की ड्रेस में ही अस्पताल ले जाया गया।

खबर संक्षेप

आज की कांग्रेस संदेश यात्रा स्थगित

बवानीखेड़ा। धुंध के कारण बवानीखेड़ा में आज आने वाली कांग्रेस संदेश यात्रा स्थगित कर दी गई हैं। ये कांग्रेस नेता एडवोकेट दीपेश सारसर ने बताया कि कांग्रेस संदेश यात्रा में अत्याधिक धुंध के कारण कई गाड़िया क्षतिग्रस्त हो गई, जिसमें कांग्रेसी नेता व कार्यकर्ता चोटिल हो गए, जिसे देखते हुए ये यात्रा स्थगित कर दी गई है।

श्रीराम मंदिर में भजन एवं सत्संग करवाया

भिवानी। भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में सोमवार को छोटी काशी भिवानी के रामभक्तों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस दौरान शहर के सभी मंदिरों में भजन एवं सत्संग का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में कृष्णा कॉलोनी चार मरला स्थित श्रीराम मंदिर में भजन एवं सत्संग का आयोजन किया।

पौधा भेंट कर दी सुखद जीवन की कामनाएं

भिवानी। एक विचार एक सोच मंच की संरक्षक पतराम गेट निवासी सरोज शास्त्री के पुत्र भारतेन्दु की शादी में मंच के सदस्यों ने पौधा भेंट कर उसके सुखद जीवन की कामनाएं दी। मंच संरक्षक धर्मवीर नागर, संस्थापक सदस्य जितेन्द्र धारीवाल, मंच के प्रदेश सहप्रभारी हरियाणवी कलाकार हेमंत सैनी, भिवानी ब्लॉक प्रभारी ईशा गर्ग व प्रमोद गर्ग ने पौधा भेंट की।

गांव बापोड़ा में सूर्यकवि पंडित लखमीचंद जयंती पर कार्यक्रम

कलाकारों ने सेठ ताराचंद के सांग का किया मंचन

धर्म पुण्य करने से मनुष्य भवसागर से उतर सकता है पार

हरिभूमि न्यूज ▶▶। भिवानी

भिवानी। सेठ ताराचंद सांग का मंचन करते कलाकार। फोटो :हरिभूमि

गांव बापोड़ा हरियाणा कला परिषद के सहयोग से आयोजित सूर्यकवि पंडित लखमीचंद जयंती पर तीसरे दिन यूपी से आए सांगी सोनू ने पंडित लखमीचंद द्वारा रचित सांग सेठ ताराचंद का मंचन किया, जिसमें बताया कि धर्म पुण्य करने से भवसागर से मनुष्य पार उतर सकता है और जिन्होंने अधर्म किया उनका अंत निश्चित है। दिल्ली के अंदर सेठ ताराचंद रहते थे, उनका पूरे देश में व्यपार था, साथ ही वो बहुत धर्म, पुनः दान करते थे। मंदिर, गौशाला, स्कूल, प्याऊ, धर्मशालाएं सेठ ताराचंद के दान से चलती थी, जिसकारण उसकी ख्याति चारों ओर थी। पूरे देश में उसका नाम था, उसका चचेरा भाई हरिराम इस बात से बहुत दुःखी रहता है कि जितना पैसा सेठ ताराचंद के पास है, उतना मेरे पास भी हैं, लेकिन ताराचंद का हर जगह नाम हैं और मुझे कोई नहीं पूछता, हर समय हरिराम ताराचंद को बर्बाद करने की सोचता है। एक दिन वो भाई ताराचंद के पास जाता है और कहता भाई आप इतना पैसा दान पुण्य में खराब करते हो सोचो अगर ये सब आपके पास हो तो आप देश के सबसे बड़े महाजन हो जाओगे, विनाश काले विपरीत बुद्धि ताराचंद हरिराम की बातों में आ गया। भाई हरिराम की बातों में आकर ताराचंद ने सब जगह दान देना बंद कर दिया। गोशाला में गाय भूखी मरने लगी, प्याऊ पर पेयजल की किल्लत से सब जगह तंगी हो गई। उधर सेठ का भी समय धीरे धीरे बदलने लग जाता है और हर जगह से व्यापार में घाटा होने लग जाता है। चोरी, लूटपाट हो जाती है, पानी के जहाज के माल से भरे भराये डूब जाते हैं। सब कुछ बर्बाद हो जाता है, खाने पीने के टोटे हो जाते हैं।

सेठ ताराचंद को बेटे को भी रखना पड़ा था गिरवी

सेठ ताराचंद ने हालात के मारे अपने पुत्र को भी गिरवी रखना पड़ जाता है। सेठ सोचता हैं मैने जो दान पुण्य बंद करके पाप किया, उसका दंड मुझे मिला है। सेठ फिर हिम्मत करके मेहनत मजदूरी करने लगता है और जो बचत आती उसका कुछ भाग घर खर्च और बाकी दान पुण्य में लगाने लगा। धीरे धीरे सेठ का लड़का जवान हुआ और कारोबार में निपुण हो जाता है। देश विदेशों में व्यापार करने लग जाता है। सोनू सांगी ने सांग में दर्शाया कि इंसान को सदा धर्म पुण्य करना चाहिए, दान देने से हमेशा धन में बढ़ोतरी होती और न करने से तंगी आती हैं।

लोहारू पहुंची कांग्रेस की जनसंदेश यात्रा, कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

- पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने भाजपा पर साधे निशाने
- मुद्दों से भटकाने के लिए भगवान श्रीराम का किया जा रहा राजनीतिकरण : शैलजा

लोहारू। जनसंदेश यात्रा के दौरान लोगों का अभिनंदन करते कुमारी सैलजा, किरण चौधरी व शीशराम मेचू। **फोटो : हरिभूमि**

हरिभूमि न्यूज ▶▶। लोहारू

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेसी की महासचिव कुमारी सैलजा ने कहा कि जनसंदेश यात्रा के माध्यम से प्रदेश के कोने कोने में जाकर लोगों को जागरूक कर रहे हैं, अब जुमलेबाजी की राजनीति नही होने चाहिए।

आने वाला समय बदलाव का है, जनता महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी से छुटकारा पाना चाहती है। भाजपा ने भगवान श्रीराम का भी राजनीतिकरण कर दिया है। जो सही नही है। वे बीती देर सांय लोहारू मुख्य बाजार में पूर्व चेयरमैन एवं पीसीसी डेलीगेट शीशराम मेचू के नेतृत्व में स्वागत कार्यक्रम को बतौर मुख्यतिथि संबोधित कर रहे थी। जनसंदेश यात्रा में कुमारी सैलजा के अलावा पूर्व मंत्री एवं तोशाम की विधायक किरण चौधरी, पूर्व सांसद श्रुति चौधरी भी पहुंची। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी द्वारा की जा रही न्याय यात्रा शुरू की है उसकी तहत प्रदेश में सभी 90 हलकों और 10 लोकसभा क्षेत्रों में कांग्रेस की जनसंदेश यात्रा की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का प्रत्येक वर्ग स्वयं को ठगा सा महसूस कर रही है, दस वर्षार् के दौरान भाजपा ने लोगों को धर्म के नाम पर और मंदिर के नाम पर बांटने का काम किया है।

ढाणी अहीरान में मनाया बालिका दिवस

भिवानी। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गांव ढाणी अहीरान स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में बालिका दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ की शपथ दिलवाई गई। सुपरवाइजर अनिता ने बताया कि 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 19 से 24 जनवरी तक आंगनबाड़ी केंद्रों पर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम किए जाने है। एक लड़की के शिक्षित होने पर दो परिवार शिक्षित होते है।

गौरवमयी क्षण का श्रद्धलुओं ने आनंद उठाया

भिवानी। भगवान श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में खाखी बाबा मंदिर में जारी दो दिवसीय कार्यक्रमों के तहत हवन-यज्ञ में सोमवार को पूर्णाहुति दी गई। इसके उपरांत रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को मंदिर परिसर में लाइव दिखाया गया है, जिस गौरवमयी क्षण का अनेक श्रद्धलुओं ने आनंद उठाया। इस दौरान पूरा क्षेत्र रामनाम की उदघोष से गूंज उठा। इस दौरान बच्चों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी प्रस्तुतियां दी गई। उसके उपरांत भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें अनेक श्रद्धालुओं ने प्रसाद चखा। भव्य तरीके से सजाया गया था, जिसकी भव्यता देखते ही बन रही थी। इस मौके पर मंदिर के महंत रामकृपा दास ने बताया कि अयोध्या में बना भगवान श्रीराम का मंदिर सनातन धर्म व प्रत्येक रामभक्त के लिए खुशी एवं उल्लास का विषय है। यदि मंदिर करोड़ों देशवासियों की आस्था का प्रतीक है। महंत रामकृपा दास ने कहा कि भगवान श्रीराम का जीवन चरित्र प्रत्येक व्यक्ति के लिए आदर्श है।

विश्राम गृह की रखी आधारशिला

हरिभूमि न्यूज : भिवानी

श्रीबालाजी मंदिर वाटिका धाम हालुवास द्वारा अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर के मूर्ति स्थापना महोत्सव पर हवन-यज्ञ कर माता श्रीराम जानकी विश्राम गृह का निर्माण कार्य की आधारशिला का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में कमेटी सदस्य राजकुमार राणा, बिजेंद्र मैनेजर,रामावतार शास्त्री, सरोज ग्रेवाल मैनेजर, कृष्ण सिंह व उदयभान शर्मा ने सहयोग करके श्रीराम जानकी माता विश्राम गृह का शिलान्यास किया।

इस अवसर पर सत्संग एवं प्रसाद का भी वितरण किया गया। सभी कमेटी सदस्यों ने मिलजुल कर दानवीर साथियों का आभार जताया।

भिवानी। हवन में आहुति डालते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

भगवान श्रीराम के महोत्सव पर एक दूसरे को बधाई दी। इस अवसर पर कमेटी के प्रधान रामअवतार शर्मा, संतकुमार शर्मा, विनोद शर्मा, दिनेश तंवर, कृष्ण सिंह, भवर सिंह, ऋषिप्रकाश यादव, सुभाष शर्मा, बजरंग सिंह परमार, हरीश हलुवासिया आदि उपस्थित रहे।

भगवान श्रीरामचंद्र के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर निकाली शोभायात्रा

चरखी दादरी। सोमवार को हरियाणा भूमि सुधार एवं विकास निगम के मैनेजिंग डायरेक्टर सुनील डूडीवाला भगवान श्रीरामचंद्र की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर वार्ड नंबर-15 स्थित बाबा हरिदास मंदिर सिंघान मोहल्ला चरखी दादरी में आयोजित कलश यात्रा में सम्मिलित हुए। इसके बाद वीरभान (जिला प्रचारक आरएसएस) के साथ भगवान श्रीरामचंद्र के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का अयोध्या से सीधा प्रसारण देखा। उसके उपरांत पुरानी अनाजमंडी के बैक साइड स्थित श्रीहनुमान मंदिर में संकीर्तन किया। इस दौरान घी के दिए वितरित करने के बाद गांव मिसरी स्थित शिव मंदिर में आयोजित कलश यात्रा में भाग लिया और गांव बौंद में बस स्टैंड के पास प्राचीन हनुमान मंदिर और गांव बौंद स्थित रामेसर तालाब शिव मंदिर में प्रसाद ग्रहण किया और घी के दिए वितरित किए।

भगवान राम के जीवन व आदर्शों का गुणगान किया

चरखी दादरी।अयोध्या में बाल रूप श्री रामलला नूतन विग्रह प्राण प्रतिष्ठा व स्थापना पर गांव नरसिंहवास स्थित बाबा जमना गिरी मंदिर व प्राचीन शिव मंदिर में हवन कीर्तन व भंडारे सहित अन्य धार्मिक गतिविधियों का आयोजित किया। इस दौरान बाबा जमना गिरी मंदिर में अखंड रामायण पाठ समस्त ग्रामीणों के सहयोग से हुआ तो वहीं प्राचीन शिव मंदिर में विधि विधान से हवन किया गया। इसके अलाव गांव में प्रात कालीन वेला के दौरान प्रभात फेरी निकाली गई। इसमें पूरे गांव के श्रद्धालु, रामभक्त महिला पुरूषों ने शिरकत करते हुए जय श्रीराम के उद्घोष के जरिए माहौल को राममय कर दिया। इस दौरान आयोजित भजन कार्यक्रम के दौरान गायक कलाकार मदनलाल देवीदत्त व पार्टी साथियों ने लोगों को मधुर भजनों के जरिए भगवान राम के जीवन व आदर्शों का गुणगान करते हुए सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

भिवानी। विवेकानंद स्कूल में प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

स्मार्ट कक्षा में विद्यार्थियों ने देखा श्रीरामलला का लाइव प्रसारण

भिवानी। विवेकानंद हाई स्कूल में सदाचारी शिक्षा समिति एवं नेताजी सुभाषचंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति द्वारा श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आध्यात्मिक एवं धार्मिक भक्तिमय प्रस्तुतियां देखकर भगवान श्रीराम का मनोहर किया है। विद्यालय संचालिका सावित्री यादव एवं राष्ट्रपति अवॉर्डी अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा कि विद्यालय में अयोध्या में भगवान श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा उत्सव को लेकर तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों ने आज देश के प्रधानमंत्री सहित राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर के संतों की वाणी सुनी है, कि भगवान श्रीराम को हजारों वर्षों के बाद अपने महल में स्थान मिला है। आज विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम सीता और लक्ष्मण, हनुमानजी की पोशाक पहनकर श्री राम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शिरकत की है और भगवान श्रीराम की मयार्दाओं का अभिनय व नृत्य प्रस्तुत किया।

भगवान श्री राम के जीवन का चरित्र चित्रण किया

चरखी दादरी। बीआर आदर्श स्कूल बिरही कलां में भगवान श्री राम के अयोध्या में श्रीराम मंदिर में नूतन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा पर विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। समारोह में विद्यालय के चेयरमैन कृष्ण भारद्वाज मुख्यातिथि के तौर पर उपस्थित हुए। मुख्यातिथि ने सर्वप्रथम भगवान राम के चित्र पर पुष्प अर्पित तथा दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में कक्षा पहली से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में विभिन्न रूपों में विधार्थियों ने भगवान श्री राम के जीवन का चरित्र चित्रण किया। इस पावन अवसर पर विद्यार्थियों ने यूपी में बन गया मंदिर, केशरी के लाल, आ रहे हैं भगवाधारी, श्री राम जानकी, राम आएंगे, मेरे घर राम आए हैं आदि भजनों पर मनमोहक नृत्य किया जिस पर सभी विद्यार्थी और अध्यापक झूम उठे। प्रवक्ता रेनू मुंजाल ने भगवान राम के जीवन से जुड़े तथ्यों के बारे में विस्तार से बताया।। इस अवसर पर सुजीत वशिष्ठ, राजेश, मोनू, प्रवीण, किरण, कविता, रेनू, अर्पिता, सुमन सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

वर्षों का इंतजार हुआ खत्म : बंटी

चरखी दादरी। भाजपा जिला महामंत्री राजेश बंटी ने कहा कि देश के करोड़ों लोगों की भावनाओं के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कर ऐतिहासिक काम किया है। करोड़ों भारतीयों को पिछले 500 वर्षों से इस दिन का इंतजार था, जो आज पूरा हुआ। आज अनगिनत लोगों के संघर्ष और भारतीय जनता पार्टी की सनातनी सोच से प्रभु श्री राम मंदिर बनने का सपना साकार हुआ है। बंटी ने डूडीवाला गांव हवन में हिस्सा लिया व रेस्ट हाउस परिसर स्थित हनुमान मंदिर में प्रसाद वितरित करते हुए श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। लोगों की खुशी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्राण प्रतिष्ठा के दिन पूरा देश दीपावली की तरह रोशन हुआ। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के लिए दादरी जिला के लोगों ने भी संघर्ष का बिगुल बजाया था। सभी यातनाओं को सहने और कानूनी अड़चनों को दूर कर श्री राम मंदिर का निर्माण कर भाजपा ने अपना वादा निभाया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295157800, 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज़ के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

प्रजापति शिव मंदिर में हवन-यज्ञ कर किया प्रसाद वितरित

भिवानी। भगवान रामलला प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में सोमवार को हनुमान गेट स्थित कुम्हारों के महोल्ले में स्थित प्रजापति शिव मंदिर में हवन-यज्ञ एवं लड्डू की सवामणी के प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी लाईटों एवं फूलों से भव्य तरीके से सजाया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से पहुंचे पार्षद विनोद प्रजापति ने कहा कि 500 वर्षो के लंबे इंतजार के बाद रामलला अपने महल में विराजे है, जिसके चलते रामभक्त इस खुशी के दिन को दीपावली के त्यौहार की तरह मना रहे है। उन्होंने कहा कि भगवान राम का अपने घर में आगमन प्रत्येक हिंदु के लिए गर्व की बात है। सैंकड़ों वर्षो के संघर्ष एवं हजारों बलिदानियों के बाद आज भगवान राम अपने महल में विराजे है, जिस खुशी में देश भर में दीपावली जैसा त्यौहार मनाया गया है। इस अवसर पर रामपत ठेकेदार, जयप्रकाश डीडीए, किरोडी राम, गौरीशंकर, रामबीर, पवन सैनी, सोनू ग्रोवर, धर्मचंद ठेकेदार, राजकुमार, प्रेम, दिनेश, कृष्ण, चिमनलाल, पवन ठेकेदार, निक्की, सुमन, दर्शना, मूर्ति देवी, मानसी, रामभतेरी आदि मौजूद रहे।

देश में रामराज हुआ स्थापितः वाल्मीकि

बवानीखेड़ा। आज देश के लिए ऐतिहासिक दिन हैं, 500 वर्षों की कठिन लड़ाई के बाद भगवान श्रीराम अपनी जन्मभूमि अयोध्या में विराजमान हुए हैं। देश में रामराज आ गया हैं। घर घर में भगवा लहरा रहा हैं। घर घर में लड्डू बंट रहे हैं, हर घर में देशी घी के दीए जल रहे हैं। आज पूरे विश्व की निगाहें भारतवर्ष पर हैं, वो दिन दूर नहीं जब भारत विश्वगुरू की भूमिका निभाता हुआ नजर आएगा।ये बात विधायक बिशंबर वाल्मीकी ने गांव कलिंगा में अमरूपाना राम मंदिर से शोभा यात्रा की शुरूआत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि जो यात्रा पूरे कलिंगा विभिन्न गलियों से होती हुई वापिस मंदिर परिसर में लौटी। इससे पहले मंदिर परिसर में हवन भी हुआ। जहां गांव के सैंकड़ों ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। इस दौरान पूरा कलिंगा गांव भगवान श्रीराम के गीतों से गूंज उठा। इस अवसर पर धामण खाप के प्रधान ऋषिपाल सिंह, कलिंगा अमरुपाना के सरपंच सोनू शर्मा, स्वाईपाना के सरपंच रणबीर, पूर्व सरपंच रामभूल, अशोक खलेरा, बोका चांग, सुरेश बागड़ी चांग, भगवत प्रधान चांग, पूर्व सरपंच ओमल परमार, सैतान सिंह परमार उपस्थित रहे।

लालावास में ग्रामीणों ने देखा लाइव प्रसारण पौधरोपण, सफाई व दीप जलाए

भिवानी।अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में गांव लालावास में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वार्ड नंबर पांच से बीडीसी सदस्य रमेश लालावास ने की। गांव के बालाजी मंदिर में अयोद्धा में हुए प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा गया। इसके बाद महिलाओं, पुरूषों और बच्चों ने फलदार पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। गांव के सभी देवस्थानों पर दीप जलाएं गए और महिलाओं ने सत्संग-कीर्तन किया।
भगवान राम के मंगल गीत गाए गए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। साथ ही सभी को राममंदिर के चित्र भी भेंट किए गए। बीडीसी रमेश ने कहा कि लंबे संघर्ष और रामभगतों के बलिदान के बाद ये शुभ अवसर आया है।

मंदिर का राम जन्मभूमि पर प्रतिष्ठित होना गौरव की बातः अनिता

तोशाम। सोमवार को अयोध्या श्री राम जन्मभूमि पर नवनिर्मित भव्य श्री राम मंदिर में रामलाल प्रतिमा प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में कस्बे में विभिन्न स्थानों पर श्री राम भक्तों द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी कड़ी में स्थानीय छपारिया हनुमान मंदिर में सुंदरकांड व 108 हनुमान चालीसा पाठ तथा हवन-यज्ञ आयोजित किया गया। इस दौरान छपारिया हनुमान मंदिर के पुजारी पंडित रामकिशन गोवर्धन-मथुरा वाले ने वेद मंत्र उच्चारण के साथ हवन-यज्ञ करवाया। इस दौरान मंदिर परिसर का माहौल पूरी तरह से राममय हो गया और भगवान श्री राम के जयकारों से मंदिर परिसर पूरी तरह से गूंजायमान रहा। इस मौके पर पहुंची जिला परिषद चेयरपर्सन अनिता मलिक ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर का विधि-विधान से राम जन्मभूमि पर प्रतिष्ठित होना देश के लिए गौरव का क्षण है।

डीआरपी भिवानी पब्लिक स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

भिवानी। डीआरपी भिवानी पब्लिक स्कूल में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में छात्र छात्राओं ने हिंदुस्तान की रंगोली बनायी तथा राम भजन और भक्ति गीत प्रस्तुत किए, भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान जी की लीला पर केंद्रित झांकियां भी प्रदर्शित की व घी के दीए भी जलाये। इस अवसर पर स्कूल निर्देशिका ने आशा पाहूजा ने बताया छात्रों ने स्कूल परिसर में रंग और फूलों से सजा कर हिंदुस्तान का चित्र रंगोली के माध्यम से बनाया है। रंगोली बनाने के बाद इसे दीपावली मनाते हुए दीप से सजाया गया है।

केवल नाम ही काफी है..
सागर चाय
REQUIRED : DISTRIBUTOR
Mob: 92152-43212